हरिभूमि

# शौर्य भूमि

5

जबलपुर, शुक्रवार 31 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

## खबर संक्षेप

### फीस वृद्धि को लेकर 4 स्कूलों को नोटिस जारी

**मण्डला।** विद्यालय की फीस वृद्धि के संबंध में शासन के निर्देशों की अवहेलना करने पर 4 अशासकीय विद्यालयों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिन स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है उनमें विद्या ज्योति स्कूल भुआबिछिया, माँ नर्मदा ज्ञान स्थली स्कूल बकौरी, सेंट एन्जिल पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल निवास तथा प्राईड संकल्प एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल नैनपुर सम्मिलित हैं। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों के तहत विद्यालय द्वारा अपने स्तर पर 10 प्रतिशत से अधिक फीस की वृद्धि नहीं की जा सकती है किन्तु उक्त स्कूल प्रबंधनों द्वारा निर्धारित से अधिक फीस की वृद्धि करते हुए पोर्टल पर एंट्री की गई है जिसे गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संबंधितों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कलेक्टर के समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

### 30 किलो प्रतिबंधित थाईलैण्ड मांगुर मछली जप्त

**मण्डला।** भारत सरकार द्वारा थाईलैण्ड मांगुर पालन एवं विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में संचालक मत्स्योद्योग म.प्र. भोपाल के आदेशानुसार मछली पालन विभाग जिला मण्डला की गठित टीम द्वारा मण्डला मुख्य बाजार एवं बम्हनीबंजर मछली बाजार तथा पेटेगांव में छापामार कार्यवाही कर लगभग 30 किलो प्रतिबंधित थाईलैण्ड मांगुर मछली जप्त की गई।

## बगैर इश्तेहार के मनमाने लीज पर दी जा रही भूमि

# वनवासी सेवा मण्डल की मिलीभगत

*** किया जा रहा है अवैध कब्जा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

वन क्षेत्रो में निवासरत वनवासियों के कल्याण के नाम से संचालित संस्था वनवासी सेवा मण्डल वर्ष 1945-46 से कार्यशील है। उक्त संस्था संचालित करने के लिए शासन से अनेक स्थानो पर कई एकड भूमि लीज पर ली गई थी ताकि वन में निवासरत वनवासियों के बच्चों को शिक्षित किया जा सके। इसके लिए बालबाडी स्कूल छात्रावास भी खोले गये जो अभी भी अनेक स्थानों में संचालित हैं जिनकी स्थिति दयनीय है। उक्त संस्था को संचालित करने के लिए वनविभाग द्वारा भी भूमि दी गई है लेकिन अब उक्त भूमि को वनवासी सेवा मण्डल द्वारा नियम विरूध्द बगैर निविदा व नीलामी के अनेक व्यक्तियों को गुपचुप तरीके से कृषि कार्य हेतु दिया गया है। वर्षों से इस तरह की मनमानी चल रही है भवन भी किराए पर दिए जा रहे हैं। महाराजपुर में व्यवसायिक तौर पर पैरामेडीकल कॉलेज संचालित करने अन्य संस्था को भवन किराए पर दिया गया है। क्या यह नियम के अनुरूप है इसकी जॉच होनी चाहिए।

### वनवासी सेवा मण्डल को भूमि देकर भूल गया वन विभाग

वन विभाग वनवासी सेवा मण्डल को भूमि लीज पर देकर भूल गया। अपनी ही भूमि का वन विभाग नहीं कर पा रहा है निरीक्षण। वन भूमि से अनेकों मुनारे गायब कर कृषि कार्य के नाम पर बिगाड़ रहे हैं भूमि का स्वरूप और वृक्षों को काटा जा रहा है। वनवासी सेवा मण्डल के द्वारा जिन कृषकों को गुपचुप तरीके से भूमि लीज पर दी गई है उनका कोई हिसाब-किताब नहीं है। मनमाने तरीके से अनेकों सागौने के पेड़ों की कटाई करते हुए कृषि कार्य किया जा रहा है। इसी तरह राजस्व की भूमि में भी वनवासी सेवा मण्डल की भूमि की आड में खुलेआम अतिक्रमण किया जा रहा है। कृषि के नाम पर वन एवं राजस्व की भूमि में स्थायी मकान बनाकर लोग रह रहे हैं। आरोप लगाये जा रहे हैं कि वनवासी सेवा मण्डल एवं वन विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से अतिक्रमण किया जा रहा है। खसरा नंबर 124 व 125 में अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण कराया जा रहा है जिसकी शिकायत महाराजपुर में संचालित छात्रावास के अधीक्षक शिवराज भगदिया द्वारा एसडीएम मण्डला व वन विभाग को की गई है।

इस पूरे मामले में आवश्यकता है कि जिला प्रशासन विस्तृत जॉच करते हुए जितनी भूमि की आवश्यकता वनवासी सेवा मण्डल को है उतनी भूमि को छोडकर शेष भूमि को वन विभाग के द्वारा वापस लेकर वृक्षारोपण, चिडियाघर आदि कार्य कराया जाना चाहिये नहीं तो लगातार एक ही व्यक्ति को नियम विरूध्द तरीके से कृषि करने के नाम पर भूमि दी जा रही है जिससे लोग अवैध कब्जा करने के लिए अग्रसर हो रहे हैं। सम्पूर्ण मण्डला जिले में वनवासी सेवा मण्डल को अनेक स्थानों में कई एकड जमीन दी गई है।

## स्वतंत्र पत्रकार संगठन मण्डला ने किया वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भारत में हिंदी पत्रकारिता के लिए आज का दिन विशेष है। 30 मई 1826 के दिन भारत में प्रथम हिंदी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ था। इसलिए 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। पण्डित जुगलकिशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' साप्ताहिक समाचार पत्र के प्रकाशन की शुरुआत कलकत्ता (वर्तमान में कोलकाता) से की थी। श्री शुक्ल उक्त साप्ताहिक समाचार पत्र के प्रकाशक और सम्पादक भी थे। कानपुर निवासी पण्डित जुगलकिशोर शुक्ल वैसे तो पेशे से वकील थे, लेकिन उस समय औपनिवेशिक ब्रिटिश शासित भारत में उन्होंने कलकत्ता को अपनी कर्मस्थली बनाया हुआ था।

कल हिंदी पत्रकारिता दिवस के यादगार अवसर पर मण्डला जिले के वरिष्ठ पत्रकारों को पत्रकारिता जगत में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए जिले के नवगठित पत्रकार संघ 'स्वतंत्र पत्रकार संगठन मण्डला' द्वारा सम्मानित किया गया। नवतपा की भीषण गर्मी में वरिष्ठ पत्रकारों का विशेष ध्यान रखते हुए 'स्वतंत्र पत्रकार संगठन मण्डला' ने एकमतेन यह निर्णय लिया कि वरिष्ठ साथियों का सम्मान उनके निवास पर जाकर किया जाए। सम्मान की इस कड़ी में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार राकेश झा, हनुमान तिवारी, सुनील दुबे, धर्मेन्द्र पांडे, एस.पी. तिवारी और राजेन्द्र राजपूत को सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ पत्रकारों के सम्मान के इस अवसर पर स्वतंत्र पत्रकार संगठन मण्डला की ओर से कपिल वर्मा, अखिलेश अग्रवाल, दीपक जाट, विजय साहू, टीकाराम चौधरी, सलीम खान एवं राहुल सिसोदिया की गरिमामय उपस्थिति रही।

## ग्रीष्मकालीन निः शुल्क रज़ा शिविर का समापन आज

*** शिविर में प्रशिक्षित कलाकार देंगे गायन व कथक नृत्य की प्रस्तुति।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

रज़ा फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा स्थानीय रज़ा कला वीथिका में चौथे ग्रीष्मकालीन निःशुल्क रज़ा शिविर का समापन आज 30 मई गुरुवार को होगा। यह शिविर 1मई से शुरू हुआ था। इसमें चित्रकला, कथक नृत्य और गायन में बच्चों को प्रशिक्षित किया गया। जिले के वरिष्ठ कलाकार जगदीश कछवाहा ने गायन, प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना रानू चंद्रौल ने कथक और मंडला के स्थापित चित्रकार अशोक सोनवानी व प्रवीण सैयाम ने चित्रकला का प्रशिक्षण दिया। इस रज़ा शिविर में कला को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में वे गायन, कथक और चित्रकला के गुर सीखाने रज़ा कला वीथिका पहुंचे। इस 1 महीने के दौरान विषय विशेषज्ञों ने बच्चों को अपनी-अपनी विद्या की बारीकियां से अवगत कराते हुए उन्हें पारंगत करने की भरपूर कोशिश की। इस एक महीने के शिविर के दौरान गायन और कथक की ट्रेनिंग लेने वाले बच्चों द्वारा आज शाम 7:00 बजे रज़ा कला वीथिका में अपनी कला का प्रदर्शन किया जाएगा।

रज़ा फाउंडेशन द्वारा मंडला-डिंडोरी के कलाकारों को बड़े स्तर पर मंच उपलब्ध कराने का भी कार्य किया जा रहा है। मंडला के प्रसिद्ध चित्रकार आशीष कछवाहा की नई दिल्ली की फेमस गैलरी में सोलो एग्जिबिशन आयोजित की जा चुकी है। इसके अलावा हाल ही में डिंडोरी जिले के पाटनगढ़ और मंडला जिले के गोंड कलाकारों की प्रदर्शनी गोंड कलम का भी सफलता पूर्वक आयोजन नई दिल्ली में किया गया। गोंड कलम को राजधानी के कला प्रेमियों द्वारा काफी सराहा गया। रज़ा फाउंडेशन ने समस्त कला प्रेमियों से 30 मई की शाम 7:00 बजे जिला एवं सत्र न्यायालय के सामने स्थित रज़ा कला वीथिका में आयोजित गायन व कथक नृत्य की प्रस्तुति में पधार कर कलाकारों का उत्साह वर्धन करने की अपील की है।

## कटरा तथा योगीराज अस्पताल को नोटिस जारी

*** फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के बिना अस्पताल संचालन पर कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के बिना अस्पताल संचालन पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कटरा हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर तथा योगीराज हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर को नोटिस जारी किया गया है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार कटरा हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर तथा योगीराज हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में फायर एनओसी की वैधता समाप्त होने से पूर्व विधिवत आवेदन किया जाना था परंतु निर्धारित समयावधि में आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया तथा फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त किए बिना अस्पताल का संचालन किया जा रहा है जो मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 के अंतर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। जारी पत्र में कहा गया है कि निर्धारित समयावधि में निर्देशों का पालन नहीं करने पर अस्पताल संचालन हेतु जारी की गई रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञप्ति को रद्द करते हुए अस्पताल को सीलबंद करने की कार्यवाही की जाएगी।

## वन विहार भोपाल से दो बाघ शावक को कान्हा टायगर रिजर्व लाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कान्हा टाईगर रिजर्व का बाघ रिवाइल्डिंग कार्यक्रम वन्यप्राणी संरक्षण का सफल उदाहरण है। दिनांक 30.05.2024 को दो नये बाघ शावक इस प्रक्रिया हेतु वनविहार भोपाल से कान्हा के रिवाइल्डिंग सेंटर घोरेला लाये गये। उक्त शावक 3-4 माह के अवस्था के है। इनको रातापानी अभ्यारण से इनकी मां एवं एक शावक थे, मृत्यु के बाद रेस्क्यू किया गया था। रातापानी अभ्यारण एवं वनविहार के रेस्क्यू किये जाने पर उन्हें कमजोर एवं भोजन की अनुपलब्धता के कारण कुपोषित पाये जाने पर वनविहार में 15 से 17 दिवस तक रखा गया। इस अवधि में उपचार एवं पोषाण आहर उपलब्ध होने से इनके स्वास्थ्य में सुधार होने पर मुख्या वन्यप्राणी अभिरक्षक म.प्र. भोपाल, द्वारा इनके भविष्य को देखते हुये रिवाइल्डिंग के अधीन रखने का निर्णय लिया जा कर शावकों को कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला प्रेषित किया जाना आदेशित किया गया। घोरेला बाघ रिवाईल्डिंग सेंटर में बाघ शावकों को दो से ढाई वर्ष तक रखकर रिवाल्डिंग हेतु निर्धारित शासन की गाईडलाईन के अनुसार देख-रेख की जावेगी एवं बाघ शावकों के व्यवहार का अध्ययन किया जावेगा, अध्ययन उपरांत विशेषज्ञों की राय के अनुसार स्वतंत्र वन क्षेत्र में छोड़ा जायेगा।

**निरीक्षण** | कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण।

# आईसीयू को चरणबद्ध रूप से प्रारंभ करें-डॉ. सिडाना

*** टेस्टिंग फीडबैक के आधार पर सुधार के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला चिकित्सालय मंडला के निर्माणाधीन आईसीयू का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि टेस्टिंग के फीडबैक के आधार पर आवश्यक सुधार कराएं। टेस्ट रन पूर्ण होने पर आईसीयू का चरणबद्ध रूप से संचालन प्रारंभ करें। उन्होंने वेंटीलेटर की उपलब्धता तथा स्टॉफ की ट्रेनिंग के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि गहन चिकित्सा इकाई में लगाई गई सभी मशीनों की पर्याप्त टेस्टिंग करें। विद्युतीकरण के संबंध में पर्याप्त सावधानी बरतें। आवश्यक संकेतक लगाएं। उन्होंने फायर आडिट के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केसी सरौते, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे, कार्यपालन यंत्री पीआईयू जीपी पटले सहित संबंधित उपस्थित रहे।

### वार्डों में अटेंडर की संख्या कम करें

जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि वार्डों में मरीज के अटेंडरों की संख्या कम करें। एक मरीज के साथ एक अटेंडर ही रहने दें। उन्होंने निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय परिसर में मरीजों के परिजनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें।

### फीडिंग कॉर्नर बनाएं

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मरीजों तथा उनके परिजनों से भी चर्चा करते हुए चिकित्सालय द्वारा प्रदाय की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने जिला चिकित्सालय में फीडिंग कॉर्नर बनाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने क्रिटीकल केयर यूनिट के निर्माण कार्यों की भी जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

## गत दिवस बिजली विभाग के द्वारा किए गए मेंटेनेंस कार्यों पर सिर्फ खानापूर्ति

*** अंजनिया क्षेत्र में आए दिन बन रही, बिजली गुल की समस्या।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/अंजनिया

मनुष्य के लिए जितना खाना इंपॉर्टेंट है, उतना ही बिजली आधुनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। जिसमें लोग बिजली का उपयोग प्रकाश, हीटिंग, शीतलन और प्रशीतन के अलावा जैसे - उपकरणों में कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक, मशीनरी, सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों के लिए संचालन में करते हैं और ऐसे में ये ही परेशानी बने तो मनुष्य के जीवन की गतिविधियां थम जाती है।

जहां एक ऐसा ही माजरा इन दिनों इस भीषण गर्मी में देखने को मिल रहा है। मामला यह है कि अंजनिया क्षेत्र में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर गांव वासी सवालिया निशान खड़े कर बता रहे हैं कि विभाग की लापरवाही के चलते गांव में आए दिन भीषण गर्मी में विद्युत पोल में कहीं से भी सॉर्ट सर्किट, होकर बिजली गुल हो जाती है जिस कारण उन्हें हद दर्जे तक परेशानियां उठानी पड़ती है।

बताया जाता है कि अंजनिया क्षेत्र में मेंन रोड हो या वार्ड में विद्युत पोल से गुजरी 11 केवी, 33 केवी हाईटेंशन लाइन में डागलिया, पत्ते टकरा रहे हैं। इससे गुजरी लाइन आपस में टकराकर जम्फर में झटके से पहुंच फ्यूज को उडा डाल रही है जिसमें विभाग के द्वारा सुधार कार्य किया तो जा रहा है लेकिन कुछ दिनों के बाद में वह जस के तस हो जा रहे हैं।

जिसमें विद्युत विभाग के द्वारा गत दिवस क्षेत्र में सप्ताह भर अलग-अलग दिन विद्युत कटौती कर लाइन मेंटेनेंस का कार्य किया गया जो नाम मात्र के लिए सिर्फ खानापूर्ति देखने को मिली।

जहाँ इसका खमियाजा देखने को मिला बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात को अंजनिया के गायत्री मंदिर के पास लगे जम्फर पर से गुजरी 11 केवी हाईटेंशन वोल्टेज की लाइन पर जिसमें एलटी 40 लाइन का आपस में जा टकराने के चलते बिजली प्रभावित हो गई। इस दौरान इंदिरा चौक, और कबीर चौक, के बसीदें रात भर गर्मी में हलाकान होते रहे। बुधवार की देर रात 11:00 बजे से बंद लाइट गुरुवार की सुबह 3:00 बजे तक जाकर सुधरी तब लोगों ने राहत भरी चैन के साथ नींद ली।

### वार्ड के ग्रामीणों नें आगे आकर प्रभावित बिजली को लाइनमैन के साथ मिलकर किया दुरुस्त-

बताया जाता है कि गायत्री मंदिर के पास लगा बिजली का जम्फर से गुजरी 11 केवी हाई टेंशन एल टी 40 लाइन की तारे आपस में टकराकर जम्फर में लगे फ्यूज को प्रभावित कर रही थी। जिसे बिजली विभाग के लाइनमैन के साथ मिलकर लोगों ने रात में ही सुधार कार्य किया और जमकर बिजली विभाग को खरी खोटी सुनाई।

## खबर संक्षेप

### इन दुकानदारों पर प्रशासन की मेहरबानी बनी चर्चा का विषय, किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना?

**गाडरवारा।** इस समय नगर की यातायात व्यवस्था से लेकर अन्य व्यवस्थाएं इस प्रकार से देखी जा रही है कि लोग पूर्णरूप से अपनी मर्जी के मालिक होकर शासकीय भूमि पर अपना कब्जा जमाने से नही चूक रहे है, जिसके चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना करते हुए देखा जा रहा है, इस प्रकार से की जाने वाले मनमानी को लेकर न तो अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है और न ही पुलिस द्वारा कोई कदम उठाने के लिए प्रयास किये जा रहे है जिसका परिणाम है कि शासकीय भूमियों पर कब्जा जमाने वालों के हौसले इतने बुलंद होते हुये दिखाई दे रहे कि वह इस प्रकार से अधिक्रमण के क्रम को लगातार बढ़ोत्तरी करने से नही चूक रहे है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इनके खिलाफ कार्यवाही की जगह अपनी मेहरबानी करना चर्चा का विषय बना हुआ है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के कृषि मंडी के पास देखने मिल रही है जहां पर काली गिट्टी विक्रय करने वालों द्वारा खुलेआम अपनी दुकानों के सामने जिस प्रकार से शासकीय जगह पर अपनी गिट्टी रखते हुए कब्जा जमाया गया है उसके चलते जहां मंडी में आने वाले किसानों को तो परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना ही पड़ता है साथ ही साथ आम लोग भी परेशान होने से नही चूक रहे है? बताया जाता है कि स्थानीय जवाहर कृषि मंडी द्वारा अनेक दुकानदारों को अपनी दुकाने किराये से प्रदान की गई है जिसमें कुछ दुकानदारों द्वारा इस मंडी काम्पलेक्स की दुकानों में गिट्टी का कारोबार किया जा रहा है जिसके चलते उनके द्वारा मुख्य मार्ग के किनारे जिस प्रकार से गिट्टी फैलाते हुए कब्जा जमाया गया है उसके कारण किसानों के ट्रेक्टर ट्राली निकलने में अनेक प्रकार की परेशानियों से जूझते हुए देखा जा रहा है। इस संबंध में जब मंडी प्रशासन से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हमारे द्वारा तो दुकान ही किराये पर प्रदान की गई है यदि कोई दुकान के सामने इस प्रकार से कब्जा जमा रहा है कि वह पूर्णरूप से गलत है, इतना ही नही जानकारी के अनुसार तो यह तक बताया जा रहा है कि मंडी द्वारा जब दुकाने लोगों को किराये पर प्रदान की गई थी उस समय दुकानदारों द्वारा पेश किये गये अपने एग्रीमेन्ट में जिस प्रकार से दुकानदारों द्वारा सामग्री विक्रय करने का उल्लेख किया गया है उसके विपरित ही सामग्री बेची जा रही है।

### लकडी माफिया गांव गांव घूमते हुये फलदार वृक्षों को सौदा करते हुये किया जा रहे कत्लेआम..?

**सांईखेड़ा।** जहां एक ओर प्रतिवर्ष सरकार द्वारा वृक्षारोपण करते हुए लाखों रूपया खर्च किये जा रहे है तथा सरकार हरियाली महोत्सवो, अंतर्राष्टीय पर्यावरण दिवस पर क्षेत्रवासियों को वृक्षों के रोपण, उनकी रक्षा का संदेश देकर बड़ी बड़ी बाते की जाती है। मगर वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पौधा रोपण करने वालों द्वारा पौधा रोपने के बाद वह अपने कर्त्तव्य की इतिश्री तो कर लेते है पर नेताओं से लेकर शासकीय अधिकारियो द्वारा बाद में कभी इस बात से चिंतित नजर नही आते कि आखिर उनके द्वारा रोपा गया पौधा सुरक्षित है कि नही वही दूसरी ओर वही दूसरी ओर जहां सरकार द्वारा पौधा रोपण करने पर जोर देते हुये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है तो दूसरी ओर क्षेत्र में लगतार हरे भरे वृक्षों पर कुल्हाडी चलते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी अब सबाल यह है कि वें कौन से कारण है, जिनके चलते जंगल में वृक्षों की अंधा धुंध कटाई हो रही है तथा जरूरत पड़नें पर क्षेत्रवासियों को इमारती लकड़ी की कमी की समस्या से जूझने मजबूर होना पड़ता है। हालत यह है कि वर्तमान में जिस पैमाने पर विभिन्न तरह के वृक्षो का निर्मम तरीके से कत्ल ए आम हो रहा है।

## बस स्टैंड के अभाव में यात्रियों को धूप में खड़ा होकर इंतजार करने के लिये होना पड़ता है मजबूर

# 9 साल पहले नगर पंचायत का दर्जा मिलने के बाद भी अनेक सुविधाओं से वंचित देखी जा रही है दादा धूनी वालों की नगरी

### मनचलों की छीटाकशी का शिकार होती रहती हैं महिला बस यात्री, चाय पान दुकानों की शरण लेने के लिये होना पड़ता है मजबूर

सांईखेड़ा

जहां एक ओर सरकार द्वारा लगातार यह बात कही जा रही है कि हमारा प्रदेश विकास की गति में सबसे आगे निकलता चला जा रहा है और अधिकारी जिले में गौरव दिवस मना रहे है मगर इसके बाद भी जिस तरह लोगों को छोटी छोटी जरूरतो के लिये परेशा होते हुये देखा जावे तो निश्चित तौर से विकास की गंगा पर सबाल खड़े होने से नही चूक पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में देखने मिल रही है, जहां पर इस नगरी को लगभग सात वर्ष पहले ग्राम पंचायत से बढ़कर नगर पंचायत का दर्जा तो मिल मिल गया है और नगर पंचायत ने अपना प्रथम कार्यकाल भी पूर्ण होने के बाद अब दूसरा कार्यकाल चल रहा है। मगर यहां की स्थिति आज भी ग्राम पंचायत से गई गुजरी दिखाई देने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर देखा जावे तो सांईखेड़ा को तहसील कार्यालय के आलवा महाविद्यालय व सीएम राईज स्कूल की सौगात भी प्राप्त हो चुकी है तथा ब्लाक मुख्यालय वर्षो से चल रहा है। मगर इसके बाद भी इस समय दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा सहित क्षेत्र के लोगों छोटी छोटी जरूरतों के लिये परेशान होते हुये आसानी से देखा जा सकता है। क्योंकि जहां सांईखेड़ा नगदी दादा धूनी वालों का धाम होने के चलते दूर दूर से लोगों का आना जाना लगा रहता है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों को जरूरी कामों के लिये यहां पर प्रतिदिन आना पड़ता है। मगर वह जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नही होने के चलते परेशान होते हुये दिखाई देने से नही चूकते है। क्योंकि इसे स्थानीय नेताओं की अनदेखी कही जावे या फिर उदासीनता जिसके चलते यदि सांईखेड़ा की जरूरी समस्याओं की ओर गौर किया जावे तो आज भी क्षेत्र के लोग अनेक सुविधाओं को तरशते हुए देखे रहे है? जिसमें प्रमुख रूप से क्षेत्र अनाज मंडी के आभाव में यहां के किसानों को अपना अनाज बेचने के लिये गाडरवारा या फिर उदयपुरा जाने के लिये मजबूर होना पड़ता है। कहने के लिये तो यहां पर अनाज मंडी का निर्माण बीते हुये कई वर्ष पहले हो चुका था और बीते हुये वर्ष लगातार मांग के बाद लोकापर्ण होने के उपरांत आज भी मंडी बंद होने से जहां वह खंडहर में तब्दील होते हुये नजर आने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोग जिस प्रमुख समस्या से जूझ रहे है वह यहां पर बस स्टेन्ड का न होना बताया जाता है कि सांईखेड़ा जहां प्रदेश स्तर के मार्ग पर स्थिति होने के आलवा यहां पर साप्ताहिक बाजार लगने के चलते यहां पर लोगों का आना जाना तो लगा ही रहता है। वही दूसरी ओर प्रमुख शासकीय कार्यालय होने के कारण अनेक लोगों का बसों से आना जाना होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यातायात के रूप में यहां के लोग सिर्फ बसों के भरोसे ही चल रहा है। क्योंकि रेल सुविधाओं से बंचित क्षेत्र के लोगों का आना जाना बसों के माध्यम से ही होता है। वही यहां के लोगों को यदि प्रदेश की रजाधानी भोपाल या फिर संस्कारधानी जबलपुर के लिये बसो की सुबिधा तो है। क्योंकि क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला प्रमुख प्रदेश स्तर का मार्ग होने से लम्बी दूरी की बसों का संचालन भी हो रहा है। वही दूसरी ओर गाडरवारा से भी दिन में अनेकों बार बसों का आना जाना होता है। इस स्थिति में इस स्थिति में सांईखेड़ा पूर्णरूप से एक कस्बा का स्वरूप ले चुका है जिसके आस पास सैकड़ो ग्रामों के लोग प्रतिदिन यहां पर अपने जरूरी कार्यो के चलते आना जाना करते हुए अपनी अन्य जरूरी कार्य यही से निपटाते है, इसके बाद भी यहां पर बस स्टेन्ड के साथ साथ यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण जहां बस यात्रियों को अनेक परिशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है तथा दूसरी ओर नगर की यातायात व्यवसथा भी बिगड़ रही है? बताया जाता है कि निधारित स्थल पर बस स्टेन्ड के आभाव में बसों को हर कही भी रोकते हुए जहां सबारी बेठारी व उतारी जाती है जिसके चलते अक्सर देखा जाता है कि बसयात्री बसों का इंतजार करने के लिए यहां वहां चाय पान दुकानों पर या फिर किसी पेड़ की छाय का सहारा लेने के लिए मजबूर होते हुये देखे जाते है या फिर उन्ह गर्मी के दिनों में चिल चिलाती धूप व बारिश के सीजन में आसमान से गिरते हुये पानी की बोछारो में ही खड़े होकर बसों का इंतजार करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इस दौरान भयानक स्थिति तो खराब जब होती है तब किसी यात्री के साथ मरीज या फिर महिलाएं होती है। इस स्थिति में खुले स्थानों या फिर चाय नास्ता की दुकानों पर बैठकर जब बसयात्री बसों का इंतजार करते है तो महिला बस यात्रियों को अनेक प्रकार से मनचले लोगों की छिटाकशी का सामना करने भी मजबूर होना पड़ता है? इस प्रकार से क्षेत्र का लगातार विस्तार होने के बाद भी आज तक क्षेत्र की लोगों को यात्री प्रतिक्षालय की व्यवस्था न हो पाना निश्चित ही विकास कार्यो पर सबाल खडें करते हुए जान पड़ रहा है? वही अब सबाल यह उठता है कि जब सांईखेड़ा पहले से ही एक कस्बा के रूप में स्थापित हो चुका है और जहां पर शासन द्वारा शासकीय चिकित्सालय से लेकर पुलिस थाना व बैकों के साथ बिजली आफिस सहित हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल, ब्लाक मुख्यालय के आलवा तहसील कार्यालय एवं महाविद्यालय तक स्थापित किये गये है तो फिर आखिर में आज तक यहां पर निश्चित जगह बस स्टेन्ड व यात्री प्रतिक्षालय क्यों नही बन पाया है? अक्सर देखा जाता है कि जब चुनावी बिगुल बजता है तो अनेक प्रकार के नेताओं का आगमन होने से क्षेत्र के लोगों द्वारा उन्हें खुशबूदार मालाओं से स्वागत किया जाता है तो उनके द्वारा क्षेत्र के विकास में किसी भी किस्म कसर बाकी नही छोड़ने का बादा तो किया जाता है। मगर वह बादा बाद में खुशबूदार मालाओं के फूलों के समान गायब होने से नही चूकता है? जिसके चलते आज भी यहां के लोग बस स्टेन्ड व यात्री प्रतिक्षालय के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है? सांईखेड़ा में बस स्टेन्ड न होने की स्थिति में बसों के सड़को पर खड़े होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनने से नही चूकती है। वही यात्री प्रतिक्षालय के आभाव में बसयात्रियों को गर्मी व बारिश के दिनों में बैठने के लिए उचित व्यवस्था खोजना भी मुश्किल हो जाता है और इस स्थिति में वह अपने बैठने के लिए छायादार जगह खोजते हुए किसी नास्ता दुकान की शरण में जाते है तो उन्हें मजबूरी बस उस दुकान से चाय नास्ता करने मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि हर दुकान पर लिखा होता है कि यहां पर फालतू बैठना मना है? इस स्थिति में यात्रियों को मजबूरी बस अपनी जेब को हल्का करते हुए दुकानदार की नजर में फालतू नही होना पड़ता है। इस संबंध में जब हमारी टीम ने एक वाहन मालिक से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यहाँ बस स्टेड की कमी हम सभी वाहन संचालको को हमेशा से खलती आ रही है हम भी चाहते है कि दुनिया में प्रसिद्व दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा मे एक बस स्टेड का होना बहुत जरूरी है जिससे नगर की सुंदरता तो बडेगी साथ ही वाहनों को खडा करने मे भी सुविधा होगी वही यात्री प्रतिक्षालय रहेगा तो दूर दराज के गांवों से आये हुए यात्रीयों को बसो का इंतजार करने की स्थिति मे बैठने व अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होने लगेगी, वही यदि सांईखेड़ा की भौगोलिक स्थिति पर गौर किया जावे तो यहां पर खाली पड़ी हुई काफी शासकीय भूमि प्रभावशाली अतिक्रमणकारियों की शिकार हो चुकी है। यदि शासन उसी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराते हुये बस स्टेन्ड का निर्माण करा दे तो निश्चित ही क्षेत्रवासियों के लिये एक सौगात मिल सकती है। मगर पता नही क्यों यहां पर इन अतिक्रमणकारियों से शासकीय भूमि मुक्त कराने के नाम पर अधिकारियों को ठंड के दिनों में पसीना आने से नही चूकता है।

## शाम होते ही रेलवे गेट से लेकर कान्हरगांव मार्ग पर जम जाती है शराब खोरी करने वालों की महफिलें, क्षेत्रवासी हो रहे परेशान

**गाडरवारा।** इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में आसामजिक तत्वों की हरकतों से लोग लगातार परेशान हो ही रहे है? वही दूसरी ओर पुलिस की कार्यप्रणाली पूर्णरूप से सुस्त होने के कारण अपराधिक प्रवृति के लोगों का मनोबल लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यदि गौर किया जावे तो शाम होते ही नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जिस प्रकार से शराबियों की महफिले जम रही है, उसके चलते आम लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के पुराने कालेज ग्राउंड सहित पुराना कालेज भवन से लेकर चीचली की ओर जाने वाले मार्ग का रेलवे गेट के पास पास अतिक्रमण करते हुये स्थापित की गई दुकानों सहित वायपास मार्ग इस समय शराबियों के लिए प्रमुख अड्डा बन चुका है? वही नगर का नव निर्मित स्टेशन से सोया प्लांट वाला बायपास मार्ग पर शाम होते ही शराबियों की हरकतों से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है? वही बताया जाता है कि रेल्वे स्टेशन से ग्राम कान्हरगांव जाने वाले मार्ग पर शाम होते ही शराबियों द्वारा अपना अड्डा बना लेने के कारण इस क्षेत्र के ग्राम कान्हरगांव, महगंवा कला, महगंवा खुर्द सहित अन्य गांवो लोग जब देर शाम इस मार्ग से गुजरते है तो इन शराबियों द्वारा ग्रामीणों के साथ अभद्रता करते हुए परेशान किया जाता है, जिसमें अक्सर देखा जाता है कि जब शाम के समय क्षेत्र के लोग यदि किसी ट्रेन से उतर कर अपने गांव परिवार के साथ जाते है तो इन शराबियों की हरकतों के चलते महिलाओं के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें खुलेआम अपमानित करने से नही चूकते है? इनता ही नही कभी कभी तो यह स्थिति तक देखने मिलती है कि कुछ मनचले युवकों द्वारा जहां महिलाओं के साथ छेड़खानी तक कर दी जाती है वही लोगों से रूपया तक छीनने की चर्चा सुनने में आने लगी है? बताया जाता है कि इन लोगों द्वारा क्षेत्र के ग्रामीणों से पैसा छीनने के बाद उन्हें खुलेआम धमकी दी जाती है कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो ठीक नही होगा। इस डर के चलते जहां ग्रामीणों द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायते करने की हिम्मत नही जुटा पाते है? वही दूसरी ओर स्टेशन से ग्राम कान्हरगांव जाने वाले मार्ग पर शाम होते ही इन शराबियों की महफिले जमने के कारण क्षेत्र के लोग दहशत में आने के कारण इस मार्ग से निकलने में तक दहशत में दिखाई देने लगे है। इस प्रकार से खुलेआम इन असामाजिक तत्वों की हरकतों से लोग परेशान हो रहे है। मगर पुलिस द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया जा रहा है? यदि पुलिस चाहे तो शाम के समय अचानक गस्त मारते हुए इन शराबियों की हरकतों से स्वयं देख सकती है। मगर पता नही पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कदम क्यों नही उठाया जा रहा है? इस प्रकार से देखा जा रहा है कि ग्राम कान्हरगांव स्टेशन मार्ग सहित नगर के वायपास मार्ग व नगर के अन्य जगहों पर लगातार बढ़ रही शराबियों की हरकतों के चलते क्षेत्र के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, शाम के समय शराब पीने के बाद इन लोगों द्वारा मुख्य सड़क पर कांच की बोतले फोड देने के कारण सुबह स्कूल आने वाले छात्र छात्राओं को उन टूटे कांचो से घायल तक होना पड़ रहा है, अनेक बार तो देखा जाता है कि टूटे पड़े इन कांच के टुकड़ो से सुबह की पारी में स्कूली बच्चों की साईकिले पंचर होने के कारण उन्हें परेशान होते हुये देखा जाता है।

## सालीचौका क्षेत्र के बाद अब महंगवा गांव में लकड़ी माफिया ने फैलाया अपना जाल, नीम सहित आम, जमुमन बबूल के पेड़ों को किया जा रहा शहीद

**गाडरवारा।** जगंलो की हो रही अंधा धुंध कटाई को लेकर सरकारों के साथ साथ आम लोगों भी चिंतित है प्रतिवर्ष सरकार द्वारा वृक्षारोपण के नाम से करोड़ो रूपया खर्च किया जाता है। मगर इसके बाद भी वृक्षारोपण कम ही नजर आता है? वही दूसरी ओर जिस प्रकार से अंधाधुध हो रही वनों के साथ साथ राजस्व विभाग में लगे हुये हरे भरे वृक्षो की कटाई के चलते पूरी प्रकृति का वातावरण बदलता जा रहा है तो लकड़ी माफिया जलबे कर रहे है। क्योंकि इन दिनों देखा जावे तो गाडरवारा क्षेत्र में सक्रिय लकडी माफियों द्वारा गांव गांव भ्रमण करते हुये किसानों के बीच बैठकर उन्हें अपनी लच्छेदार बातों में उलझाते हुये जरा से धन का लालच दिखाकर किसानों के खेतों में खड़े हुये नीम सहित आम जामुन सहित अन्य पेड़ो का खेलेआम कत्लेआम किये जाने की जानकारी मिल रही है। इस तरह कान्हरगांव महंगवा क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियों की सच्चाई बीते हुये माह उस समय सामने आने से नही चूक पाई थी जब वन विभाग की टीम द्वारा समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव के पास से ट्राली में लकडी भरते हुये एक हाईवा सहित लकड़ी से भरे हुये ट्रेक्टर को जप्त किया गया था। जिसके चलते कुछ दिनों तक इन लकड़ी माफियों के कारोबार पर पर अंकुल लगा देखा जा रहा था। मगर फिर इस क्षेत्र में सक्रिय हो चुके लकड़ी काफियों के चलते खुलेआम आम के फलदार वृक्षों के साथ साथ नीम, जामुन सहित अन्य प्रकार के पेड़ों को धराशाही होते हुये देखा जा रहा है। इस तरह ग्राम महगंवा कला, कान्हरगांव सहित आसपास के गांवों के खेतों का भ्रमण किया जावे तो सच्चाई अपने आप ही सामने आने से नही चूक पाईगी जब इस क्षेत्र में हाल ही में काटे गये पेड़ो के ठूठ देखने मिलेगे? इस तरह लकड़ी माफियों द्वारा जिस तरह अपनी लक्ष्छेदार बातों के भी क्षेत्र के किसानों को धन का लालच देते हुये उनके खेतों में खड़े हुये पेड़ो का कत्लआम किया जा रहा है इसमें बन विभाग की भूमिका भी संदेह के घेरे में आने से नही चूक पा रही है? क्योंकि ऐसा तो हो ही नही सकता है कि जब लकड़ी माफियों द्वारा इस तरह गाडरवारा से चंद किलों मीटर दूरी पर इतने बडे स्तर पर पेड़ो को शहीद किया जा रहा है और वन विभाग को पता न हो..? इस तरह क्षेत्र में लकड़ी माफियों के बुलंद हो रहे इरादों के पीछे जहां वन विभाग से लेकर राजस्व विभाग की भूमिका संदेह के घेरे में आने के साथ साथ हाल यह बना हुआ है कि देर रात इस तरह गांवों में काटे जा रहे पेड़ो की लकड़ी का परिवहन शुरू हो जाता है तो रात पर चलता है और वन विभाग के अधिकारी कूलर की हवा में कुंभकर्णी निंद्रा में मस्त देखे जा रहे है? क्योंकि देखा जावे तो इन सब को रोकने लिए सरकार द्वारा वन विभाग बनाया गया है। मगर यहां के इस विभाग संपूर्ण कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में दिखाई देने से नही चूक पा रही है? बताया जाता है कि मा. उच्च न्यायालय द्वारा लगभग 53 किस्म के वृक्षों की कटाई सहित लकड़ी के परिवहन पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगाया गया है। मगर इसके बाद भी वन विभाग सहित राजस्व विभाग के जिम्मेदार माने जाने वाले अधिकारियों की मिली भगत से क्षेत्र के गांवों में किसानों के खेतों में लगे हुये आम, महुआ, बबूल सहित अन्य प्रकार के हरे भरे वृक्षों पर आरी चलाते हुये लकडी माफिया उन्हें धराशायी करते हुये परिवहन करने से नही चूक रहे है, जिसकी सच्चाई क्षेत्र की सड़को पर खुलेआम ताजे कटे हुये पेड़ो की लकड़ी परिवहन करते हुये दौड़ते हुये वाहनों में आसानी से देखने मिल रही है? बताया जाता है कि इस तरह हरे भरे वृक्षों का कत्लेआम करने वाले लोगों द्वारा इस तरह किसानों को जरा से लालच दिखाते हुये उनके खेतों में लगे हुये पेड़ो की कत्लेआम करते हुये बडे बडे शहरों में पहुंचाकर माला माल होने से नही चूक रहे है। इतना ही नही इस तरह लकड़ी की तस्करी करने वाले माफियों द्वारा आये दिन अधिकारियों पर अपनी बडे स्तर पर पहुंच होने का रौब झाड़ने से भी नही चूकते है। यह बात अलग है कि इस तरह लकड़ी के अवैध परिवहन में वन विभाग द्वारा ग्राम कान्हरगांव में की गई कार्यवाही के बाद कुछ दिनों से रूकावट देखने मिल रही थी। मगर अब एक बार फिर गति पकड़ते हुये दिखाई देने लगा है जिसकी सच्चाई वर्तमान सय मे ग्राम महगंवा कला से सुदरास की ओर जाने वाले मार्ग पर देखने मिल सकती है जहां कुछ दिनों से लकड़ी माफिया द्वारा बडे बडे पेड़ो को शहिद करने की चर्चाये सुनाई द रही है? इस किसानों के खेतों पर लगे हुये पेड़ो को उन से ओने पोने दामों के खरीदने के बाद काटे जाने वाले हरे भरे वृक्षों की लकड़ी या तो जिले से बाहर भेज दी जाती है या फिर गाडरवारा सहित अन्य शहरों में संचालित हो रहे टालो पर पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस तरह क्षेत्र में खुलेआम चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन की सच्चाई रात का अधियारा होते ही शुरू हो जाती है और जहां तहां लकड़ी से लदे हुये ट्रेक्टर ट्राली नजर आने लगे है। इस तरह चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन व कटाई को लेकर निश्चित तौर से वन विभाग की भूमिका सबालों के घेरे में आने से इसलिये नही चूक पा रही है। क्योंकि इस लकड़ी के अवैध कारोबार से जुडे हुये लकडी माफियों को आये दिन वन की रखबारी करने वाले अधिकारियों या फिर कर्मचारियों के बीच यारना संबंध निभाते देखा जाना आम बात बन चुकी है? इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में फिर हरियाली पर कुल्हाडी चलने के साथ साथ लकड़ी का परिवहन करने वाले वाहन सड़को पर दिखाई देना शुरू हो चुके है? क्योकि आये दिन देखा जाता है कि क्षेत्र के मुख्य मार्गो से लेकर बाजारों म तो वन विभाग की नाक नीचे से इमरती लकड़ी का परिवहन होते हुये देखा जा रहा है।

## म.प्र.शासन या फिर प्रेस का लेख कराते हुए बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहन

**सालीचौका।** आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है। मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराय से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है। मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना है? मगर अक्सर देखा जाता है कि शासकीय कार्यालयों में लगे हुए अनेक वाहनों में म.प्र. शासन का लेख कराते हुए उन्हें किराय के रूप में खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उठाई जा रही है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है। वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व को भी हानी पहुंच रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है। इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्याापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनो दिन बढ़ती जा रही है। जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है। नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली। शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित कर रहा है।

## ग्रामीण क्षेत्रों में मकड़ी के जाल की तरह उलझी केबिलों में आये दिन लग रही आग

**गाडरवारा।** जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली करने के नाम पर जहां उनका समान सहित अन्य सामग्री कुर्क करते हुए उन्हें अपमानित करने से नही चूकते है, वही दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर देखा जावे तो बिजली विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ अपनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतों से लेकर मुख्य मार्गो पर झूला के समान लटकते हुए बिजली तारों को देखा जावे तो वह खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि बिजली विभाग द्वारा वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में किसी भी प्रकार का बदलाव नही किये जाने के कारण जहां उन लाईनों में तार टूटने के साथ साथ अन्य खराबियां होने के कारण किसानों को सप्लाई होने बाली बिजली में बाधित होना पड़ता है, वही आये दिन झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली चिंगारियों के चलते क्षेत्र के किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले राख होते हुए देखी जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्रामों के अंदर देखी जा रही है,

## खबर संक्षेप

### अभ्यर्थी को सुरक्षा गार्ड के साथ गणना केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं

**डिंडौरी।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसे केन्द्र अथवा राज्य सरकारों से सुरक्षा प्राप्त है, उम्मीदवारों का गणना एजेंट नहीं बन सकेगा। आयोग के मुताबिक किसी भी चुनाव लड़ रहे किसी भी उम्मीदवार को उसके सुरक्षा गार्ड अथवा सशस्त्र सुरक्षा गार्ड के साथ मतगणना केन्द्र में प्रवेश करने नहीं दिया जायेगा। आयोग के अनुसार सुरक्षा गार्ड प्राप्त उम्मीदवार से मतगणना केन्द्र में प्रवेश के लिए अपनी मर्जी से सुरक्षा को समर्पण करने का सहमति पत्र प्राप्त होने के बाद ही मतगणना केन्द्र में प्रवेश करने दिया जायेगा। हालांकि निर्वाचन आयोग ने एसपीजी सुरक्षा कव्हर प्राप्त उम्मीदवार को अपने इस निर्देश से कुछ छूट प्रदान की है। आयोग के मुताबिक एसपीजी सुरक्षा प्राप्त उम्मीदवार सादे कपड़े पहने केवल एक एसपीजी सुरक्षा कर्मी के साथ काउंटिंग हॉल के भीतर प्रवेश कर सकेगा।

### रेवा कैंपो का आयोजन शनिवार को सभी विकासखंडों में किया जाएगा

**डिंडौरी।** रेवा कैंप का आयोजन 01 जून शनिवार के दिन जनपद पंचायत स्तर पर किया जाएगा उक्त कैंपो के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह है। कैंप का आयोजन महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग के द्वारा किया जाएगा। 01 जून को वार्ड नं. 12 एवं 13 कंपनी चैक पुरानी डिंडौरी, वार्ड नं. 05 शिव शक्ति भवन शहपुरा, ग्राम पंचायत डुण्डी सरई के पोषक ग्राम मुरता जनपद पंचायत अमरपुर, ग्राम पंचायत उफरी बैगा टोला जनपद पंचायत बजाग, ग्राम पंचायत छिवली जनपद पंचायत डिंडौरी, ग्राम पंचायत चकमी जनपद पंचायत करंजिया, ग्राम मसूरघुघरी (खाईपानी) जनपद पंचायत मेंहदवानी, ग्राम पंचायत किवाड़ जनपद पंचायत समनापुर तथा ग्राम पंचायत रनगांव के ग्राम मुंगेला जनपद पंचायत शहपुरा में आयोजित किए जाएंगे।

### जिला स्तरीय व्हालीबॉल प्रीमियम लीग प्रतियोगिता का आयोजन

**डिंडौरी।** खेल और युवा कल्याण विभाग डिंडौरी द्वारा ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 01 मई से 31 मई 2024 तक विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण युवा युवतियों को दिया जा रहा है। जिसमें कबड्डी, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स, व्हालीबाल, क्रिकेट, बैडमिंटन, हॉकी, आदि खेलों को प्रशिक्षण जिले के 7 विकासखंड स्तर पर संचालित है। समनापुर, बजाग, अमरपुर, मेंहदवानी, शहपुरा, डिंडौरी एवं करंजिया आदि में 1 माह से खेल गतिविधियां संचालित है। जिन्हें ब्लॉक स्तर पर सुनीता, लक्ष्मी, संतोषी, सुखना, नारायण मरावी, ऊषा मानिकपुरी, कैलाश रजक के द्वारा दिया जा रहा है। डिंडौरी मुख्यालय में चेतराम अहिरवार, आरती सोंधिया, छत्रपाल, संतोषी यादव के द्वारा कलेक्ट्रेट प्रांगण में नियमित सुबह 6 बजे से 8 बजे एवं शाम 5 बजे से 7 बजे से तक दिया जा रहा है। इसी तारतम्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे व्हालीबॉल के खिलाडियों के बीच व्हालीबॉल प्रीमियर ली जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन कलेक्ट्रेट खेल मैदान में किया गया है जो 29, 30 एवं 31 मई 2024 को समापन होगा। खेल अधिकारी मो. अहमद खान ने बताया कि जिला स्तरीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में बिना बजट के जनसहयोग से खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता को रखा गया है। गर्मी को देखते हुए व्हालीबॉल प्रतियोगिता नाईट में शाम 5 बजे से रात्रि तक चलता है। इस खेल से जिले की खेल प्रतिभा को आगे बढने का अवसर प्राप्त होगा।

### अमरकंटक में बारिश से मौसम हुआ सुहावना

**अमरकंटक।** पवित्र नगरी अमरकंटक में बारिश के कारण मौसम में परिवर्तन हो गया है जहां पर कल तक अमरकंटक का पारा 40 के पार था वह अब 30 तक आ गया है अमरकंटक में आए हुए पर्यटकों ने बताया कि जैसा हमने सुना था अमरकंटक को वैसा ही पाया। जैसे अमरकंटक में गर्मी ज्यादा होती है।

# बजाग थाना भवन मरम्मत कार्य में ठेकेदार की मनमानी

## अधिकारियों की कमीशनखोरी के चलते थाना के मेंटनेंस में मनमानी

बजाग मुख्यालय स्थित थाना में इन दिनों थाना भवन के जीर्णोद्धार अर्थात मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। जिसमें विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार की मनमानी और सांठगांठ के चलते मनमानी तौर पर मरम्मत के नाम पर महज खानापूर्ति करते हुए मोटी कमाई की जा रहीं हैं,

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Narmada Bhoomi - 12 May 2024 - Page 3
बजाग थाना के मरम्मत कार्य के नाम पर खानापूर्ति कर रहा ठेकेदार
लगभग 33 लाख रुपए की भारी भरकम राशि से हो रहा है मेंटनेंस का कार्य

वर्षों पहले निर्मित थाना भवन की दीवारों जर्जर हो रहीं हैं जिस पर थिगरा पट्टी करके रंग रोहन कर राशि हड़पने की कोशिश की जा रही है। थाना परिसर में अनेक स्थानों पर थिगरा पट्टी किया गया है वहीं मेंटनेंस के नाम पर इलेक्ट्रीकल सामग्री के बदलाव के बदले पुराने ही पंखे हवा भरते नजर आ रहे हैं। मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति कर रहे ठेकेदार के द्वारा घटिया सामग्री से कार्य कराने के चलते कार्य की गुणवत्ता का आकलन स्वतरू ही किया जा सकता है। पुराने ही दरवाजे और लाईट कनेक्शन के सहारे शासकीय खजाने को निपटाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा थाना के प्रथम तल में टीन सेड बनाने का कार्य किया गया है,वहीं दूसरी ओर शौचालय और अन्य निर्माण कार्य को पूरा नहीं कराया जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार ठेकेदार द्वारा मानकों को पूरा नहीं किया जा रहा है, जानकारी तो यह भी सामने आ रही है ठेकेदार के द्वारा लेबर को समय पर पेमेंट नहीं मिल पाने के चलते कार्य पूर्ण करने के लिए लेबर भी नहीं मिल रहे हैं। पूरे थाना परिसर में पुट्टी के नाम पर भ्रष्टाचार और खानापूर्ति की जा रही है, पुट्टी के नाम पर सिर्फ एक कोट ही किया गया है जबकि विभागीय अधिकारियों की कमीशनखोरी के चलते घटिया कार्य करने के बाद भी कोई सुधार कार्य नहीं किया जा रहा है।

# एसडीएम डिंडोरी ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

## संयुक्त चिकित्सालय भवन का मुआयना कर विद्युत सप्लाई और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन ने आज जिला चिकित्सालय डिंडोरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार डिण्डौरी एवं कार्यपालन अभियंता म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. डिण्डौरी भी मौजूद थे। जिला चिकित्सालय डिण्डौरी का विद्युत आपूर्ति के संबंध में संयुक्त कक्षों का मुआयना किया। निरीक्षण में पी.आई.सी.यू. वार्ड में सतत विद्युत आपूर्ति हेतु दो नंबर यू.पी.एस. स्थापित होना पाया गया, किन्तु निरीक्षण के दौरान दोनो यू.पी.एस. चालू हालत में नही पाये गये जिस कारण पी.आई.सी.यू. वार्ड में बेकअप सप्लाई बंद मिली। एसडीएम ने पी.आई.सी.यू. वार्ड में स्थापित दोनों यू.पी.एस. का तत्काल आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। जिससे उक्त वार्ड में विद्युत आपूर्ति बंद होने पर स्थापित दोनों यू.पी. एस. से बेकअप विद्युत आपूर्ति बनी रहे। इसी प्रकार से आई.सी.यू. वार्ड वार्ड में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु बेकअप सप्लाई सोलर पेनल से संचालित होना पाया गया, किन्तु उपस्थित नर्सिंग स्टॉफ द्वारा अवगत कराया गया कि कभी-कभी बिजली बंद होने पर बेकअप सप्लाई चालू नही होती हैं। जिसमें सोलर पेनल में लगे यू.पी.एस. को सही कराने को कहा गया। एस.एन.सी.यू. वार्ड उक्त वार्ड में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखने हेतु बेकअप सप्लाई की सुविधा नही पायी गई, यू.पी.एस., जनरेटर स्थापित नही पाया गया। एसडीएम ने एस.एन.सी.यू. वार्ड अति महत्वपूर्ण वार्ड है अतः तत्काल बेकअप सप्लाई हेतु ऑटोकट जनरेटर उपलब्धता कराये जाना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। ब्लड बैंक वार्ड में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु बेकअप सप्लाई यू.पी.एस. से होना पाया गया किन्तु उपस्थित स्टॉफ द्वारा बताया गया कि यू.पी.एस. से आधे घंटे का बेकअप सप्लाई हो पाता है। जिसमें एक अतिरिक्त यू.पी.एस. स्थापित कराने कहा गया। इसके बाद पैथालॉजी वार्ड में बेकअप सप्लाई हेतु सप्लाई यू.पी.एस. स्थापित होना पाया गया, किन्तु उपस्थित स्टॉफ द्वारा बताया गया कि यू.पी.एस. से आंधे घंटे का बेकअप सप्लाई हो पाता हैं। यहां एक अतिरिक्त यू.पी.एस. स्थापित कराये जाने कहा गया। मेंटरनिटी वार्ड में बेकअप विद्युत आपूर्ति की सुविधा है, परंतु स्थापित डिजीसेट को मेन्युवली ऑपरेट करना पड़ता है। जिसमें ऑटोकट डिजीसेट स्थापित कराने के निर्देश दिए गए। वार्ड में लगे कूलर में कूलिंग मोटर खराब पाया गया जिससे वार्ड में गर्मी अधिक थी। कूलर का कूलिंग मोटर को तत्काल सही कराने के निर्देश दिए गए। वार्ड में 1 नग पंखा खराब पाया गया। जिस पर खराब पंखा को तत्काल सही कराने कहा गया। तत्पश्चात डायलिसिस वार्ड में डायलिसिस हेतु 4 मशीन स्थापित है परंतु 1 ही मशीन में सोलर पेनल से बेकअप सप्लाई उपलब्ध हैं एवं वार्ड के बाहर स्थापित डिजीसेट खराब पाया गया। एसडीएम डिंडोरी ने सभी मशीनों में बेकअप सप्लाई हेतु स्थापित खराब डिजीसेट को तत्काल सुधार कार्य कराने कहा है। इसी प्रकार से कैजुअल्टी वार्ड में बेकअप सप्लाई सोलर पेनल से होना पाया गया है।

एसडीएम ने सीएमएचओ और संबंधित अधिकारियों को संयुक्त जिला चिकित्सालय भवन में शीघ्र ही दुरुस्तीकरण के कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मरीजों और परिजनों की सुविधाओं साफ-सफाई के लिए भी विशेष निर्देश दिए हैं।

### समर कैंप के तहत बच्चों को कराया महिला थाना, जिला कोतवाली और जनपद पंचायत कार्यालय का भ्रमण

**हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।** आनंदम दीदी कैफे डिंडोरी में आयोजित किये जा रहे संस्कार समर कैंप के तहत आज प्रतिभागी बच्चों को महिला थाना, जिला कोतवाली और जनपद पंचायत कार्यालय डिंडोरी का भ्रमण कराया गया।

महिला थाना में सहायक उपनिरीक्षक ओम सिंह ठाकुर ने बच्चों को महिला थाने की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। यातायात थाना में दीपमाला नागले ने यातायात नियम से सम्बंधित आवश्यक जानकारी बच्चों को उपलब्ध कराई। जिला कोतवाली में अनुराग जामदार ने पुलिस की कार्यप्रणाली से बच्चों को अवगत कराते हुए बताया कि पुलिस आपकी सेवा में तत्पर है।

समर कैंप के बच्चों को पुलिस की गतिविधियों से अवगत कराकर जनपद पंचायत कार्यालय ले जाया गया। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत डिंडोरी निखिलेश कटारे ने बच्चों को त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था की जानकारी दी। बच्चों के साथ जिला योजना अधिकारी ओ.पी सिरसे, खंड विस्तार अनवेशक अभिषेक बंसल, एमआरसी श्रीमती श्रुति गुप्ता, बीआरसी अरुण चैबे, श्रीमती मंजूषा शर्मा, श्रीमती सुनीता, श्रीमती ओजस्वीता वर्मन, उपयंत्री मुकेश पटेल, पूरन सिंह सांड्या, यशवंत सहित अन्य प्रशिक्षक शामिल रहे।

### मतगणना की तैयारियों के संबंध में संपन्न हुई माइक्रोऑब्जर्वर की बैठक

**हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।** लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 4 जून को मतगणना का आयोजन किया जायगा, जिसके लिए माइक्रोऑब्जर्वर के द्वितीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, प्रशिक्षण के दौरान मतगणना से सम्बंधित आवश्यक पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया।एआरओ रामबाबू देवांगन ने माइक्रोऑब्जर्वरों को सम्बोधित करते हुए कहा माइक्रोऑब्जर्वर मतगणना के दिन प्रातः 5 बजे पहुंच जाये, सुबह 7 सात बजे से गणना एजेंट की प्रवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा की मतगणना स्थल पर किसी को भी मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं है, मतगणना स्थल पर पेयजल, दवा की व्यवस्था उचित रूप से की गयी है। रामबाबू देवांगन ने बताया कि इस बार दोनों विधानसभा के लिए 24-24 टेबलों पर गणना की जानी है, सभी माइक्रोऑब्जर्वरों को मतगणना की गति का ध्यान रखना होगा, जिससे मतगणना आसानी से पूरी हो जाये, उन्होंने निर्देशित किया कि टेबल पर चिपके इंस्ट्रक्शन को उचित रूप से देखें, और अपने स्थान को पहले से ही पहचान लें, उन्होंने कहा कि गर्मी का विशेष ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि पोलिंग एजेंट पर आवश्यक नजर रखें, जहां जरूरत हो हस्ताक्षर अवश्य लें। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में सम्मिलित सभी कर्मी अपना मुख्यालय मतगणना तक न छोंड और शांत मन से कार्य को पुरा करें जिससे डॉटा का सही मिलान किया जा सके। उक्त प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। मास्टर ट्रेनर जगत राम झारिया, आर पी शुक्ला ने प्रशिक्षण के अन्य पहलुओं को समझाया।

# खबर प्रकाशित होने के बाद तत्काल जोड़ा गया नलजल कनेक्शन

## परिवारों को भीषण गर्मी में अब घर में मिलेगा पीने का पानी

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी।

भीषण गर्मी में काट दिया नलजल कनेक्शन, पीने के पानी को मोहताज हुए कई परिवार
जनपद पंचायत मेंहदवानी के ग्राम पंचायत सारसडोली का मामला

दैनिक समाचारपत्र हरिभूमि में गुरुवार को प्रकाशित खबर भीषण गर्मी में काट दिया गया नलजल कनेक्शन पर सीईओ जनपद पंचायत मेंहदवानी प्रमोद कुमार ओझा के द्वारा पीड़ित परिवारों के पानी की समस्या को गम्भीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत सारसडोली के सचिव को नलजल कनेक्शन जोड़ते हुए छूट रहे परिवारों के घर तक पानी पहुंचाने का निर्देश दिया गया था जिस पर ग्राम पंचायत सारसडोली के सरपंच बलराम वनवासी तथा पंच रामस्वरूप साहू द्वारा मौके पर पहुंचकर सीमेंट कांक्रीट को तोड़वाया गया और छूटे हुए परिवारों के घर पानी पहुंचाने पाइप लाइन को जोड़वा दिया गया है। सरपंच ने बताया कि सारसडोली में गिरते जलस्तर के कारण पानी की समस्या बनी हुई है इसलिए एक दिन के अंतर में पानी सप्लाई किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि खबर के माध्यम से जानकारी दी गई थी कि सारसडोली ग्राम में बीच टोला स्थित लगभग 6 परिवारों के घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा था। नया वॉल बदलने के बाद पानी पीड़ित परिवारों के घरों तक दो दिन पहुंचा था तीसरे दिन पंचायत के कर्मचारी द्वारा पाइप लाइन काटकर सीमेंट कांक्रीट कर पानी सप्लाई अवरूद्ध कर दिया गया था। सीईओ मेंहदवानी द्वारा पानी की समस्या को गम्भीरता से लेने पर पीड़ित परिवारों ने खुशी जताई और हरिभूमि अखबार को धन्यवाद दिया।

# विश्व तम्बाकू निषेध दिवस एवं अतंर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर आयोजित होंगे विभिन्न

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार में जिले में 31 मई 2024 विश्व तम्बाकू निषेध दिवस एवं 26 जून 2024 को अतंर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उक्त आयोजनों के लिए विभिन्न विभागों को आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेशानुसार पुलिस विभाग द्वारा वाहनों में नशामुक्ति स्टीकर लगाना, सार्वजनिक स्थलों पर नशामुक्ति का प्रचार प्रसार एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार से खेल विभाग, जन अभियान परिषद, नेहरू युवा केन्द्र के द्वारा संयुक्त रूप से चित्रकला, निबंध, भाषण, रंगोली, गीत संगीत, नुक्कड़ नाटक, मैराथन, प्रभात फेरी, शपथ ग्रहण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा विद्यालय-महाविद्यालय के 100 मीटर के दायरे में पान दुकान में गुटखा, तम्बाकू आदि उत्पादों में प्रतिबंध लगाने व गंभीर बीमारियों पर पोस्टर प्रदर्शनी, जनपद पंचायतध् नगर परिषद के द्वारा शासकीय, सार्वजनिक स्थलों में नशामुक्ति प्रचार प्रसार बैनर, शपथ ग्रहण कार्यक्रम, सामाजिक न्याय विभाग द्वारा कलापथक दलों व कला मंडलियों द्वारा नाटक, गीत, हेल्पलाइन नम्बर, प्रचार प्रसार, वॉल पेंटिंग, रथ आदि, शिक्षा विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग प्रभात फेरी, रैलियां, मानव श्रृंखला का निर्माण, शपथ ग्रहण का आयोजन किया जाएगा।

# जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर की गई कार्यवाही

अनूपपुर।

उप संचालक (खनि प्रशासन) जिला अनूपपुर ने जानकारी दी है कि खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम हेतु कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 14 से 30 मई 2024 तक जिला अनूपपुर अन्तर्गत आकस्मिक निरीक्षण के दौरान खनिज रेत के अवैध उत्खनन में 04 वाहन ट्रैक्टर मय ट्राली खनिज रेत एवं गिट्टी के अवैध परिवहन में 21 वाहन ट्रैक्टर मय ट्राली, मेटाडोर को जप्त किया जाकर वाहन स्वामियों के विरूद्ध नियमानुसार अवैध उत्खनन एवं अवैध परिवहन के प्रकरण पृथक-पृथक तैयार कर उक्त सभी प्रकरणों में कुल अर्थदण्ड राशि रुपए 7.43,675 रूपए प्रस्तावित किया जाकर न्यायालय कलेक्टर, जिला अनूपपुर में निराकरण हेतु प्रस्तुत किया गया है। साथ ही निरंतर अवैध उत्खनन, परिवहन में संलिप्त पाये जाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनूपपुर के द्वारा द०प्र०सं० के तहत धारा 107, 116, 110 जा.फौ. के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है, अनुविभागीय दण्डाधिकारी, अनूपपुर द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 151 जा.फौ. के तहत 02 व्यक्तियों को जेल में निरूद्ध किया गया है। इसी प्रकार ग्राम पाटन में प्राथमिक विद्यालय भवन के सामने अवैध उत्खननकर्ता एवं भण्डारणकर्ता दिग्विजय सिंह राठौर निवासी राजनगर द्वारा शासकीय भूमि खसरा नम्बर 100/1 रकवा 0.700 हे. में अवैध रूप से बाड़ी बनाकर रेत भण्डारण कर कब्जा किया गया था। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जैतहरी द्वारा अवैध भण्डारणकर्ता द्वारा शासकीय भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाया जाकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। जिले में अवैध उत्खननकर्ता, परिवहनकर्ता, भण्डारणकर्ता पर जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जाकर कड़ी कार्यवाही की जा रही है तथा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी की जा रही है।

हरिभूमि

# नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 31 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

## खबर संक्षेप

### मतगणना की तैयारियां संबंधी बैठक आज

**नरसिंहपुर** । लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले द्वारा मतगणना की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक 31 मई को प्रात 11.30 बजे से कलेक्ट्रट सभाकक्ष में होगी। यह जानकारी अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने दी है।

### नकली बंदूक से महिला को डराया तो महिला ने कर दी जमकर पिटाई, वीडियो वायरल

**करेली** । नगर में एक व्यक्ति को एक महिला ने लाठियों से बड़ी बेरहमी से पीटा युवक की पिटाई को देखने के लिए लोगों का हुजूम लग गया। फिर भीड़ ने डायल 100 में सूचना दी और उस व्यक्ति को पुलिस के हवाले कर दिया। महिला ने व्यक्ति की पिटाई करते हुए बताया की वह उसे प्लास्टिक की नकली बंदूक दिखाकर डरा रहा था। वार्ड पार्षद खालिक कुरैशी ने बताया की उक्त महिला की युवक ने एक दिन पहले नकली प्लास्टिक की बंदूक दिखाकर महिला चोरी की थी जिस पर आज उक्त युवक महिला के हत्थे चढ़ गया दोनों का जमकर विवाद हुआ स्थानीय लोगों द्वारा डायल 100 को सूचना दी गई डायल 100 की मदद से युवक को कर ली थाने लाया गया। बुधवार शाम 6 बजे हुई इस घटना का वीडिओ सोशल मीडिया में वायरल हो गया।

### ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत

**नरसिंहपुर** । जिला मुख्यालय के स्टेशन गंज थाना अंतर्गत विपतपुरा गेट के सामने रेलवे ट्रैक पर 30 से 40 वर्षीय एक अज्ञात शव डला हुआ मिला वहीं स्थानीय लोगों ने जीआरपी थाना पुलिस को जानकारी दी और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ट्रेन से टकराने से मौत की संभावना लग रही है। और मृतक के दोनों हाथ में टैटू से प्रियंसी व सोनू लिखा है। वहीं पंचनामा कार्यवाही के बाद मर्ग प्रकरण कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां जिला अस्पताल में उसे शवगृह में रखवाया गया था। वहीं शव का पोस्टमार्टम जीआरपी पुलिस के द्वारा करवाया गया।

### पशु चिकित्सा को लेकर गंभीर नहीं शासन प्रशासन

**तेंदूखेड़ा**- एक तरफ जहां शासन पशुपालन को बढ़ावा देने की दिशा में तरह तरह की महत्वाकांक्षी योजनाएं चला रही है। लेकिन दूसरी तरफ चांवरपाठा विकास खंड में पशु चिकित्सा केवल औपचारिकता निभाती ही नजर आ रही है। स्थिति यह बनी हुई है कि तहसील मुख्यालय में एक पशु चिकित्सालय है । जिसमें 32 गांव जुड़े हुए हैं। यहां पर मात्र एक डाक्टर और एक स्वीपर ही तैनात हैं। लेकिन तेंदूखेड़ा में पदस्थ सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी को डोभी,बिल्हरा, और गुटोरी का भी अतिरिक्त चार्ज दे रखा है। स्थिति यह है कि डोभी के अंतर्गत 17गांव बिल्हरा में 11 और गुटोरी में लगभग 09 गांव जुड़े हुए हैं। सभी गांवों को मिलाकर गिनती 69के लगभग पहुंच जाती है।एक डाक्टर इतने गांवों को कैसे संतुष्ट कर सकता है यह एक सोच का विषय है। अधिकांश गांवों में गौ सेवको का सहयोग सहारा लेना पड़ता है। और बरसात के दिनों में पशुओं में सर्वाधिक बीमारियां होती हैं।

## नियमों को धता दिखा रहे लोग, हाईवे पर अतिक्रमण

# दुर्दशा का शिकार हो रहा हाईवे

नरसिंहपुर

जिले से गुजरने वाले हाइवे पर लोगो द्वारा जगह - जगह पर अतिक्रमण कर अपनी दुकान सजा ली गई जिससे यातायात मे लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ता है और उनके कारण ही अधिकांश दुर्घटनायें होती रही है उसके बाद भी हाईवे प्रशासन तथा जिला प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है । दुकानदारों द्वारा रोड किनारे पड़ी हाईवे की जमीन पर अतिक्रमण कर अपनी दुकान लगा ली जाती है जिससे काफी समस्या उत्पन्न होती है ।

### प्रशासन नही दे रहा ध्यान

जिले से गुजरने वाले एन एच 44 पर अधिकांश दुकाने रोड के किनारे पर लगी हुई जो कि खतरे का संकेत है । रोड पर चलने वाले वाहन जरा भी अनियंत्रित होते है तो दुकानों पर जा घुसतें है । जबकि हाइवे द्वारा रोड से लगभग 10 फुट की दूरी तक किसी भी प्रकार का आवासीय या व्यवसायिक कार्य करने पर प्रतिबंध है उसके बाद भी जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण रोड धड़ल्ले से अपनी दुकान संचालित करते रहते है । प्रशासन को चाहिये की जांच कर रोड के किनारे लगी दुकानों को हटवाया जावे जिससे लोगो परेशानी का सामना ना करना पड़े ।

### टोल पर भी अव्यवस्था

हाइवे प्रशासन द्वारा टोल से टैक्स वसूलने के लिये व मैटनेंस कार्य के लिये ठेका दे दिया गया है टोल कर्मियों द्वारा टोल तो वसूला जाता है लेकिन टोल के पास लगी दुकानों के कारण वाहन रोड पर ही खड़े रहते है जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है जिस ओर जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नही दिया जाता है । प्रशासन को चाहिये कि टोल के पास बनी दुकान व ढाबों की जांच की उन्हें हटाया जावे जिससे होने वाली अव्यवस्था व दुर्घटना से बचा जा सके । हालांकि टोल के पास व्यवस्था बनाने का कार्य टोल टैक्स व हाईवे प्रशासन भी कर सकता है लेकिन हाइवे के कर्मचारी वाहनों को अव्यवस्थित लगे देख कर अनदेखा कर देते है ।

### निमार्ण कार्य से उत्पन्न हो रही समस्या

रोड पर होने वाली दुर्घटनाओं को ध्यान मे रखते हुये सरकार द्वारा हाईवे के प्रमुख चैराहों पर ओवरब्रिज बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया । ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के चलते रोड मे तोड़फोड़ भी की गई है तथा मार्ग परिवर्तन कर रोड पर ब्रेकर भी बनाये गये है जो इतन भारी भरकम है कि वाहन से व्यक्ति उछल भी सकती है वही मार्ग परिवर्तन के वोर्ड भी व्यवस्थित ढंग से नही लगाये गये है । जिससे लोगो के समझने मे भी परेशानी होती है । प्रशासन को चाहिये कि निरीक्षण कर कार्य मे सुधार कराया जावे तथा संकेतिक वोर्ड व्यवस्थित ढंग से लगाये जावे जिससे वाहन चालको को परेशानी ना हो ।

### हाइवे पर ना हो अतिक्रमण

जिले की सीमा से लेकर अंत तक हाइवे अतिक्रमण का शिकार है जिसे जो किसी का ध्यान नही जाता है और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है । हाइवे प्रशासन द्वार अतिक्रमण हटाने संबंधी जिले के कुछ क्षेत्र मे लगभग 3 तीन पूर्व नोटिस दिये गये थे लेकिन अभी तक कोई भी कार्रवाई नही की गई । अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई मे भी जिला प्रशासन को पूरा सहयोग चाहिये होगा लेकिन हाइवे व जिला प्रशासन के बीच आपसी तालमेल की भी कमी देखी जा रही है जिसके कारण अतिक्रमण से निजात नही मिल पा रही है ।

## निर्वाचन कार्य में लापरवाही करने पर अधिकारी निलंबित

नरसिंहपुर

लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 अप्रैल 2024 को ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि प्रक्षेत्र बोहानी अंकित डेहरिया बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने श्री डेहरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा नियत किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। यह आदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के प्रतिकूल पाये जाने और मप्र सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम के प्रावधानों के अनुसार यह निलंबन आदेश जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी का प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 अप्रैल को शासकीय श्याम सुंदर नारायण महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया था, जिसमें उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किए जाने के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि प्रक्षेत्र बोहानी अंकित डेहरिया को निर्देशित किया था परन्तु निर्देशित किए जाने के उपरांत भी श्री डेहरिया बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित पाये जाने की स्थिति में कार्यालयीन कारण बताओ नोटिस जारी कर नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत किए जाने निर्देशित किया गया था। निर्देशित किए जाने के बावजूद ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि प्रक्षेत्र बोहानी श्री डेहरिया द्वारा निर्वाचन जैसे अतिमहत्वपूर्ण कार्यो में लापरवाही, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए आदेशों निर्देशों की अवहेलना तथा अपने पदीय दायित्वों के प्रति स्वेच्छाचारिता, लापरवाही एवं उदासीनता बरती गयी है। उक्त प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा यह आदेश जारी किया गया है।

## जैन समाज से कैदियों के लिये दान किये कूलर

**नरसिंहपुर** । ऋतुएँ मानव जीवन के वो पडाव है जिसे पार कर मनुष्य अपने जीवन पथ पर आगे बढ़ता है। ऋतु अनुसार मनुष्य अपनी दिनचर्या, रहन-सहन, क्रिया-कलाप तय कर बचाव में साधन जुटाता है। जेल के परिवेश में यह स्थिति पूर्ण रूप से जेल प्रशासन पर निर्भर रहती है, ऐसे में समाज सेवी संस्थाओं का दायित्व है कि वे आगे आकर इस दिशा में कार्य करें । इन विचारों के साथ ही संस्था श्री 1008 पाश्र्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कंदेली नरसिंहपुर के अध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष मुकेश जैन एवं कोषाध्यक्ष हितेन्द्र जैन द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों के लिए संस्था की ओर से 06 नग जम्वो कमर्शियल एयर कूलर, 03 नग फाईबर बाडी 18 इंची एवं 06 नग ओपनबाडी 18 इंची कूलर कुल 15 नग एयर कूलर आज दिनांक 29 मई 2024 को केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में दान स्वरूप भेंट किये । जेल में निरुद्ध बंदियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने की दिशा में प्रदाय उक्त सहयोग के लिए जेल अधीक्षक , जेल उप अधीक्षक महेश प्रसाद टिकारिया, सहायक जेल अधीक्षक संतोष हरियाल, एडवर्ड स्वामी, आशीष खरे ने संस्था के पदाधिकारियों का अभार व्यक्त किया ।

## जहरीली दवा के सेवन से युवक की हुई मौत

**नरसिंहपुर** । स्टेशन थाने की सिंगपुर चैकी अंतर्गत सिमरिया बरखेड़ा निवासी नरेश पिता रामकिशोर मेहरा उम्र 25 वर्ष ने जहरीली दवा का सेवन कर लिया था वही परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आये थे जहां स्थिति गम्भीर देखते हुए उसे आईसीयू में शिप्ट कर दिया गया था वही उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई अस्पताल चैकी पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा कर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा।

## एक दिवसीय बेबीनार का आयोजन

**नरसिंहपुर** । गत दिवस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा के निर्देशन में भारत में विधिक शिक्षा एवं विधिक वृत्ति में सुधार चुनौतियां एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में मुख्य वक्ता डॉ. सुबोध कुमार सिंह प्राध्यापक हरिश्चन्द्र पीजी कॉलेज वाराणसी एवं डॉ. रंजन कुमार प्राध्यापक महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी से बर्चुअल के माध्यम से अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। वेबीनार का आयोजन विधि विभाग की सहायक प्राध्यापक एवं संयोजक डॉ. चेतना उपाध्याय एवं सह-संयोजक केशब पाण्डे के द्वारा किया गया। बेबीनार में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया एवं 20 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुए। बेबीनार में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आर.बी.सिंह, भरत सिंह ठाकुर, डॉ. समीर भैंसारे, सतीश बैस, प्रो. ज्योत्सना झारिया, डॉ. परनाश्री मुखर्जी, डॉ. दिव्या पटैल एवं विधि के समस्त छात्र/छात्राऐं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चेतना उपाध्याय द्वारा एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष केशब पाण्डे द्वारा किया गया।

## सब्जी किसानों ने सौंपा ज्ञापन

**नरसिंहपुर** । गत दिवस जिला मुख्यालय मे देहातो से सब्जी लाकर नगर मे बेचने का कार्य करने वाले किसानों द्वारा एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर अपनी मांग जिला प्रशासन के समक्ष रखी । ज्ञापन मे बताया गया है कि वह अपने खेतो में सब्जी लगाकर मण्डी एवं अन्य जगह बेचते है जिससे हमारा व परिवार का पालन-पोषण होता है। वर्तमान में मण्डी के अतिक्रमण हटवाने पर से सब्जी कमीशन एजेन्टो द्वारा अनिश्चित कालीन हड़ताल की जा रही है। उक्त हडताल के चलते हम किसानो को सब्जी बेचने नही दे रहें है जिससे हमारी सब्जी इस भीषण गर्मी में खराब हो जाती है। हम किसानो को ऐसा भी भ्रमित कर रहे है शासन हमारी सब्जी मण्डी को काफी दूर भगा रही है। हम किसानो का व हमारे परिवार का पालन-पोषण सब्जी बेचने से हो सके हमें कोई न रोक सके ऐसी व्यवस्था करवाई जाय यदि हम सब्जी बेचेगें तो सब्जी कमीशन एजेन्ट हम लोगो के साथ वाद विवाद भी कर सकते है। सब्जी किसानों द्वारा ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई है ।

## आरआई, पटवारी पर हमला, सात गिरफ्तार

**नरसिंहपुर** । विगत दिवस जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम खमरिया में जमीन की नापजोख करने गए राजस्व अधिकारियों पर ग्रामीणों ने बुधवार सुबह लोहे की राड, डंडे और चैन से हमला कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने अमले को बचाया। थाना प्रभारी स्टेशनगंज प्रदीप सराफ के अनुसार राजस्व विभाग की टीम पर हमला करने वाले सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में घायल जमीन मालिक के पुत्र ऋषि बजाज के अनुसार ग्राम खमरिया में स्थित जमीन की राजस्व अधिकारी नापजोख कर रहे थे। इसी बीच अचानक करीब सौ से ज्यादा ग्रामीणों ने आरआई मंजू विश्वकर्मा और पटवारी प्रमोद राजपूत पर हमला कर दिया। बीचबचाव करने पहुंचे कर्मचारियों के साथ भी आरोपितों ने मारपीट की। हमले में आरआई और पटवारी आदि घायल हो गए। वही वाहनों मे भी तोड़फोड़ की गई है । पुलिस ने अमले को मारपीट से बचाया और हमलावरों को मौके से ही हिरासत में ले लिया। पुलिस ने रूपसिंह यादव, संदीप यादव, गेंदालाल यादव, पर्वत यादव, हरि यादव, ऋषि बाई धानक, राजकुमार यादव, हरि यादव को गिरफ्तार किया है।

## सड़क किनारे मिला अज्ञात शव

**नरसिंहपुर** । जिले के करेली में आमगांव जाने वाले सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव मिला है, पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मृत व्यक्ति की शिनाख्त में जुटी हुई है। बुधवार की सुबह करेली से आमगांव बड़ा जाने वाले मार्ग पर सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव मिला है, पुलिस के बताये अनुसार मामला प्रथम दृष्टया एक्सीडेंट का लग रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मृतक की शिनाख्त की जा रही है।

## दिव्यांग विद्यार्थियों को आवासीय विद्यालय में प्रवेश

**नरसिंहपुर** । सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय अस्थिबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, परदेशीपुरा समाज कल्याण परिसर इंदौर में शारीरिक दिव्यांग बालक, बालिका को आवसीय विद्यालय में सत्र 2024- 25 के लिए प्रवेश प्रारंभ है। प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 है। प्रवेश के लिए 6 वर्ष एवं अधिक आयु समूह के हो, उन्हें कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक शिक्षण दिया जायेगा। उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण नरसिंहपुर ने जिला शिक्षा अधिकारी व समस्त प्राचार्य नरसिंहपुर से कहा है कि वह संस्था में आस्थिबाधित दिव्यांग बालक, बालिका जो 6 वर्ष एवं अधिक आयु के हो एवं कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक संस्था में प्रवेश लेने के लिए प्रचार- प्रसार करवायें। जिससे अधिकाधिक अस्थिबाधित दिव्यांग बालक, बालिका प्रवेशित होकर निःशुल्क आवासीय विद्यालय का लाभ ले सकें। उन्होंने बताया कि प्रवेश के लिए आयु सीमा 6 वर्ष एवं अधिक (कक्षा अनुसार), शैक्षणिक योग्यता अंतिम उत्तीर्ण की अंकसूची की छायाप्रति, आय प्रमाणपत्र (तहसीलदार द्वारा जारी), दिव्यांगता का प्रमाण पत्र (कम से कम 40 प्रतिशत आवश्यक), दिव्यांगता दर्शाते हुए 6 फोटो, मप्र के मूल निवासी का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (डिजीटल), आधार कार्ड, समग्र सामाजिक सुरक्षा आईडी (एसएसएसएम आईडी), यूडीआयडी, बैंक खाता आधार से लिंक किया हुआ एवं जन्म प्रमाण पत्र आदि अर्हताए आवश्यक है। इसके अलावा इंदौर नगर निगम सीमा से बाहर निवास करने वाले बालकों को प्रवेश पश्चात छात्रावास सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी। बालक दैनिक दिनचर्या एवं नित्यकर्म करने में सक्षम हो। बालक दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, मानसिक मंदता से ग्रसित न हो एवं किसी संक्रामक रोग से पीड़ति न हो और अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संपर्क कर सकते है।

## जिले भर के 13 सटोरियों पर कार्रवाई

**नरसिंहपुर** । गत दिवस पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिले में चलाया जा रहा विशेष अभियान, अवैध सट्टे के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध ताबडतोड कार्यवाही, 13 व्यक्तियों से सट्टा पट्टी एवं 9670 रूपये नगद पकडे गये। जिले में अपराधों पर लगाम लगाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजनों में सुरक्षा का अहसास कराने के उद्देश्य से जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विगत दिनों में जिले में जिले के थाना और चैकी क्षेत्रों में सट्टे के अवैध कारोबार में लिप्त आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। जिसमे थाना कोतवाली अंतर्गत चेतराम निवासी लोकीपार, थाना स्टेशनगंज अंतर्गत मुकेश चैरसिया, निवासी सिंधी कालोनी, विनीत कुशवाहा निवासी डांगीढाना सीताराम मेहरा निवा बडगुवां, फीरोज खान निवासी नकटुआ, थाना करेली अंतर्गत चढार निवासी गोंगावली, थाना गाडरवारा अंतर्गत नरेश पटैल निवासी ग्राम मरका, प्रदीप संदेल निवासी शिवाजी वार्ड गाडरवारा, अखिलेश वंशकार निवासी विवेकानंद वार्ड गाडरवारा, रमेश चैधरी निवासी नरसिंहपुर, संतोष गुप्ता निवासी कोडिया, विजय वसेडिया निवासी गरहा, थाना गोटेगांव अंतर्गत सागर ठाकुर निवासी वोस वार्ड गोटेंगाव। इस प्रकार कुल 13 व्यक्तियों से सट्टा पट्टी एवं 9670 रूपये नगद जप्त किये गये है।

## कलेक्टर ने किया राजस्व न्यायालय तेंदूखेड़ा का निरीक्षण

**तेंदूखेड़ा**-गुरुवार को तेंदूखेड़ा तहसील कार्यालय पहुंची कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने तहसीलदार राजस्व न्यायालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, बटांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का नियमानुसार और समय-सीमा में निराकरण के साथ ही राजस्व अभिलेखों के बेहतर प्रबंधन के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। राजस्व संबंधी मामलों का समय-सीमा में निराकरण करवाने के उद्देश्य से कलेक्टर द्वारा राजस्व संबंधी कार्रवाई के सभी दस्तावेजों का बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए राजस्व संबंधी कार्यों के लिए तहसील आने वाले आमजन को कोई परेशानी न हो। राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण कराएं तथा आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का भी त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।

### विकरसखंड वार विभागीय समीक्षा

कलेक्टर शीतला पटले द्वारा नगर परिषद तेंदूखेड़ा में ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें ग्रामीण विकास कृषि स्वास्थ्य शिक्षा विद्युत सहित पीएचई विभाग की समीक्षा की। नगर पंचायत तथा जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र के कार्यों का अवलोकन करते हुए कहा कि स्वसहायता समूहों में महिलाओं को अधिक से अधिक जोड़ा जाये। नगरीय निकाय तेंदूखेड़ा में राजस्व की कम वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र ही निर्धारित मापदंड के अनुसार वसूली करने के निर्देश दिए।

## तेंदुए की मौत को लेकर सीसीएफ से की शिकायत

**करेली** । भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन कार्यालय, ए.पी.सी.सी. एफ., के नाम शिकायत भेजी गई जिसमे उल्लेख किया गया है कि नरसिंहपुर जिले के सतपुड़ा जंगलों में दिलेहारी बीट में तेंदुए की मौत के संबंध में भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड से नियुक्त मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि, जी सीसीआई के प्रदेश प्रेस संयोजक भागीरथ तिवारी की शिकायत को लेकर बोर्ड की संयुक्त सचिव प्राची जैन ने पत्र लिखकर कहा कि भागीरथ तिवारी से मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के सतपुड़ा जंगली में दिलेहारी बीट में तेंदुए की मौत के बारे में विभिन्न शिकायतें मिली है। शिकायत की एक प्रति इसके साथ संलग्न है, जो स्वतः स्पष्ट है। कि धारा 3 और 11(1) (एल) के अनुसार जानवरों के खिलाफ क्रूरता पशु क्रूरता निवारण (पीसीए) अधिनियम, 1960 का उल्लंघन है। आईपीसी की धारा 428 और 429 पचास रुपये या उससे अधिक मूल्य के किसी भी जानवर या जानवर को मारने, जहर देने, अपंग करने या बेकार करने के द्वारा शरारत करने की सजा से संबंधित है और व्यक्ति को दोनों में से किसी भी प्रकार के कारावास से दंडित किया जाएगा। जिसकी अवधि पांच वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, या जुर्माना, या दोनों से दंडित किया जा सकता है स संयुक्त सचिव ने पत्र में कहा कि उपरोक्त के दृष्टिगत शिकायतों को कानून के प्रावधान के अनुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित किया जा रहा है। कृपया इसे अति आवश्यक समझे और जल्द से जल्द की गई कार्रवाई से बोर्ड को अवगत कराएं। ज्ञातव्य होवे कि करेली वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले देहलरी बीट के सतपुड़ा के जंगल में संरक्षित वन्य प्राणी तेदूए की संदेह तरीके से मौत हो गई थी इस मौत की उच्च स्तरीय जांच हेतु स प्रधानमंत्री ,बोर्ड के अध्यक्ष सचिव,पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी, वन्य अपराध नियंत्रण कार्यालय आदि को भी ईमेल , पत्र लिखे गए थे स बोर्ड ने श्री तिवारी के द्वारा किए गए ईमेल , पत्र को संज्ञान में लेकर मुख्य बन संरक्षक वन्य प्राणी भोपाल को पत्र लिखा गया जिसकी काफी इमेल कर भागीरथ तिवारी को भी भेजी गई ।